Hindi Murli Quiz 23-07-2015

Q.1) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ---**
"मीठे बच्चे, जो सर्व की सद्गति करने वाला जीवनमुक्ति दाता है, वह आपका ------ बना है, तुम उनकी सन्तान हो, तो कितना नशा रहना चाहिए"

- बाप
- बाप्
- BAP
- बआप
- BAAP
- बप

Q.2) **Q. "जिन बच्चों को बाप की पूरी पहचान नहीं, पूरा निश्चय नहीं उनकी बुद्धि में याद भी ठहरेगी नहीं। हमको कौन सिखला रहे हैं, वह जानते नहीं तो याद किसको करेंगे? बाप की याद से ही तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे।बाप स्वयं ही आकर अपनी और अपने घर की यथार्थ पहचान देते हैं।"**

A. True
B. False

Q.3) **Q. इस मैचिंग एक्सरसाइज में सबसे उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थान भरें --**

	Choice	Match
A	हम आत्मा हैं, हमारा घर है निर्वाणधाम वा ----------।	मूलवतन।
B	भक्ति मार्ग में यज्ञ, तप, दान, पुण्य, तीर्थ आदि करते सीढ़ी नीचे -------- ही आते हैं।	उतरते।
C	अभी तुमको ज्ञान मिला है तो --------- बन्द हो जाती है। घण्टे घड़ियाल आदि वह वातावरण सब बन्द।	भक्ति।
D	मनुष्य -------- चाहते हैं, परन्तु वहाँ कोई भी जा नहीं सकते।	शान्ति।
E	सतयुग में एक ही ------- खण्ड है। और सब खण्ड विनाश हो जाते हैं।	भारत।

Q.4) **Q.फुल मार्क्स लेने के लिए केवल सही वाक्य ही चयन करें ----**

A. ☑ लोग आदि-सनातन देवी-देवता धर्म को आदि-सनातन हिन्दू धर्म कह देते, वास्तव में शुरू में कोई हिन्दू नहीं, देवी-देवतायें थे।
B. ☑ जो दैवी धर्म श्रेष्ठ थे, वही 84 जन्मों में आते-2 धर्म भ्रष्ट बन गये हैं।
C. ☐ देवता धर्म के जो होंगे वह यहाँ नही आयेंगे।
D. ☑ चाहते सब सुख-शान्ति हैं, वह तो होता है सतयुग में। सब तो सुखधाम में जा नहीं सकते।
E. ☐ त्रेता से लेकर नये धर्म निकलते हैं, इनको वैराइटी ह्युमन ट्री कहा जाता है।

Explanation: 1.देवता धर्म के जो होंगे वही यहाँ आयेंगे। 2. द्वापर से लेकर नये धर्म निकलते हैं,त्रेता से नये धर्म नहीं निकलते।

Q.5) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	जीवनमुक्ति पहले-पहले सतयुग में होती है।	यहाँ तो है जीवनबन्ध इसलिए भक्ति मार्ग में पुकारते हैं बाबा बंधन से छुड़ाओ।
B	तुम्हें तो देह से न्यारा देही-अभिमानी बनना है।	सारी दुनिया को, अपने शरीर को भी भूलना है।
C	सिर्फ एक बाप से ही योग लगाना है तब ही पावन बनेंगे।	नहीं तो पिछाड़ी में हिसाब-किताब चुक्तू कर सजायें खाकर चले जायेंगे।
D	हम आत्मा सो परमपिता परमात्मा, सो हम आत्मा,	यही रांग मन्त्र परमात्मा से बेमुख करने वाला है।
E	हम सो ब्राह्मण हैं फिर हम सो देवता बनने के लिए पुरूषार्थ करते हैं।	फिर हम सो देवता बन क्षत्रिय वर्ण में आयेंगे।

Q.6) **Q. "निराकारी आत्मायें असली ईश्वरीय कुल की हैं। निराकारी दुनिया में रहने वाली हैं। फिर साकारी दुनिया में आती हैं। पार्ट बजाने आना पड़ता है। वहाँ से आकर फिर हमने देवता कुल में 8 जन्म लिए, फिर हम क्षत्रिय कुल में, वैश्य कुल में जाते हैं। 84 जन्मों का चक्र है। राजधानी स्थापन हो रही है। कोई राजा-रानी कोई प्रजा बनेंगे। सूर्यवंशी लक्ष्मी-नारायण दी फर्स्ट, सेकण्ड, थर्ड-8 गद्दी चलती हैं फिर क्षत्रिय धर्म में भी फर्स्ट, सेकण्ड, थर्ड ऐसे चलता है। यह सब बातें बाप समझाते हैं।"**

A. (●) True
B. ( ) False

Q.7) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	.क्राइस्ट हो गया क्रिश्चियन धर्म का बीज।	इस देवी-देवता धर्म का बीज है परमपिता परमात्मा शिव।
B	बाप कल्याणकारी है वही आकर भारत का कल्याण करते हैं।	सबसे अधिक कल्याण तो तुम बच्चों का ही करते हैं। तुम क्या से क्या बन जाते हो!
C	देलवाड़ा मन्दिर में हूबहू तुम्हारा इस समय का यादगार है।	नीचे तपस्या में बैठे हैं, ऊपर में है स्वर्ग।
D	सतयुग में दुर्गति होती नहीं जो नॉलेज मिले।	यह नॉलेज है ही सद्गति के लिए।
E	बाप भी भारत में ही आकर 3 धर्म स्थापन करते हैं।	अभी तुमको शूद्र धर्म से निकाल ऊंच कुल में ले जाते हैं।
F	तुम यह नॉलेज लेते ही हो नई दुनिया के लिए।	देवताओं की परछाई पुरानी दुनिया में नहीं पड़ती।

Q.8) **Q. आज की धारणा को ध्यान में रखकर केवल सही वाक्य ही चयन करें -----**

A. [x] इस पुरानी दुनिया से बेहद का वैरागी बन अपनी देह को भी भूल शान्तिधाम और सुखधाम को याद करना है।
B. [x] निश्चयबुद्धि बन याद की यात्रा में रहना है।
C. [ ] हम सो, सो हम' के मन्त्र को भूलकर अब ब्राह्मण सो देवता बनने का पुरूषार्थ करना है।
D. [x] सभी को 'हम सो, सो हम' का यथार्थ अर्थ समझाना है।
E. [ ] मुरली कभी मिस नही करनी है ।

Explanation: 1.हम सो, सो हम के मन्त्र को यथार्थ समझकर अब ब्राह्मण सो देवता बनने का पुरूषार्थ करना है। 2.मुरली कभी मिस नही करनी है – यह पॉइंट आज की धारणा में नही है ।

Q.9) **Q. आज के वरदान को ध्यान में रखते हुए बतायें कि निम्नलिखित वाक्य सही हैं अथवा गलत ----**
"संकल्पों द्वारा ईश्वरीय सेवा करना यह भी सेवा का श्रेष्ठ और नया तरीका है । रोज अमृतवेले अपने सम्पर्क में आने वाली आत्माओं पर संकल्प द्वारा नजर दौड़ाओ । जितना आप उन्हों को संकल्प से याद करेंगे उतना वह संकल्प उन्हों के पास पहुंचेगा । इस प्रकार सेवा का नया तरीका अपनाते वृद्धि करते चलो। आपके सहजयोग की सूक्ष्म शक्ति आत्माओं को आपके तरफ स्वत:आकार्षित करेगी।"

A. (●) True
B. ( ) False

Q.10) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ---**
“बहानेबाजी को मर्ज करो और बेहद की वैराग्यवृत्ति को ------ करो।“

- इमर्ज
- EMERGE
- इमरज
- इमार्ज
- IMARJ
- EMARJ